एक नजर में

गरोठ अस्पताल में 14 वर्षीय छात्राओं का एचपीवी टीकाकरण, एसडीएम ने किया निरीक्षण

गरोठ। जनहित एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किशोरियों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी (।।क्क्ष) टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 10 मार्च को सिविल हॉस्पिटल गरोठ में 14 वर्षीय छात्राओं के लिए विशेष टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम राहुल चौहान ने अस्पताल पहुंचकर टीकाकरण व्यवस्था का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों से अभियान की प्रगति के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. दरबार गोपालसिंह ने छात्राओं को एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण से भविष्य में गंभीर बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वच्छता बनाए रखने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरियों को जागरूक करना और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखना है।

इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर शक्ति द्वारा महिला दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

मंदसौर। महिला दिवस के उपलक्ष्य में इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर शक्ति द्वारा एक विशेष मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और दैनिक जीवन में आने वाली शारीरिक समस्याओं पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कश्मीरा कुमावत को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने नाक, कान और गले से संबंधित विभिन्न रोगों और उनके निवारण के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। डॉ. कश्मीरा कुमावत, जो पूर्व में मुंबई के प्रतिष्ठित कोकिलाबेन अस्पताल में अपनी सेवाएँ दे चुकी हैं और चार माह पूर्व ही मंदसौर आगमन हुआ है, ने सदस्यों को जागरूक करते हुए बताया कि नींद में खर्राटे आना या कान की सफाई के लिए ईयर बड्स का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि एलर्जी और अन्य संबंधित समस्याओं के लिए घरेलू उपचार के बजाय विशेषज्ञों की सलाह लेना अनिवार्य है। डॉ. कुमावत ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इन अंगों की संवेदनशीलता को समझाया और बताया कि समय पर सही उपचार से जटिलताओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान क्लब की अध्यक्ष विशाखा पारिख, पूर्व अध्यक्ष रत्ना बसेर, संस्थापक सदस्य विनीता संघवी, हेमा पोरवाल, परामर्शदाता वीणा नाहटा और क्लब होस्ट निशा भाचावत प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। इसके साथ ही क्लब सदस्य शिल्पा जैन, रानी गर्ग, नेहा भंडारी, रीता, रेखा अग्रवाल, मुक्ता जैन, सरिता दुग्गड़ और क्लब एडिटर अर्चना लोढ़ा ने भी चर्चा में सक्रिय सहभागिता की।

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के उपलक्ष्य में शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली जागरूकता रैली

मंदसौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि जिला स्वास्थ्य विभाग एवं सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व ग्लूकोमा सप्ताह' के अंतर्गत एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय मंदसौर से प्रारंभ हुई इस रैली का मुख्य उद्देश्य जनमानस को 'ग्लूकोमा' (काला मोतिया) के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच के महत्व को समझाना था।

रैली में शामिल हुए प्रमुख अधिकारी और विशेषज्ञ–इस गरिमामय आयोजन में सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. शशि गांधी, नेत्र विभाग के प्रमुख डॉ. (लेफ्टिनेंट कर्नल) अतुल भीरूड़, वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. कार्तिक साल्वे, डॉ. सुनील कांत गुलेरी और अन्य विभागीय अध्यक्ष (।।ह्रठ्ठह्य), विशेषज्ञ चिकित्सक, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. बी एल रावत और बड़ी संख्या में डॉक्टर शामिल हुए। इसके साथ ही शासकीय नर्सिंग कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी

तख्तियां लेकर आमजन को जागरूक किया।

प्रमुख गतिविधियां एवं संदेश–रैली जिला चिकित्सालय से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। नर्सिंग छात्र–छात्राओं ने 'ग्लूकोमा मुक्त विश्व बनाने हेतु एकजुट हों' के नारों के साथ लोगों को आंखों की नियमित जांच कराने का संदेश दिया।

चिकित्सकों ने बताया कि ग्लूकोमा दृष्टिहीनता का एक प्रमुख कारण है, जिसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है, क्योंकि शुरुआती दौर में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते।

विशेषज्ञों की अपील

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने अपील की कि 40 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, मधुमेह के रोगी और जिनके परिवार में ग्लूकोमा का इतिहास रहा है, वे अपनी आंखों की साल में कम से कम एक बार विस्तृत जांच अवश्य कराएं। समय पर पहचान ही इस बीमारी से बचाव का एकमात्र प्रभावी तरीका है। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, मंदसौर के अंतर्गत आयोजित इस रैली ने शहर में स्वास्थ्य जागरूकता का एक सकारात्मक वातावरण निर्मित किया।

नरवाई प्रबंधन में मंदसौर जिला अग्रणी, अलसी डंठल से रेशा बनाने की पहल

मंदसौर। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में कृषि क्षेत्र में कई नवाचार किए जा रहे हैं, जिनमें नरवाई प्रबंधन एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपसंचालक रविंद्र मोदी ने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को नुकसान होता है, इसलिए इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य शासन ने मुख्यमंत्री नरवाई प्रबंधन योजना के तहत कृषि बजट में 37.65 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को कम करने के लिए एफपीओ मंदसौर एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी को अलसी डंठल प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है तथा स्थानीय स्तर पर अलसी के डंठल से रेशा निकालने की मशीन भी विकसित की गई है। इस मशीन से निकाले गए रेशे को टेक्सटाइल कंपनियों को बेचा जाएगा।

कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत किसानों को बेलर मशीन उपलब्ध कराकर अलसी डंठल को काटकर एकत्रित किया जा रहा है। इसके बदले किसानों को एफपीओ द्वारा 1200 से 1500 रुपए प्रति हेक्टेयर तक भुगतान किया जाएगा, जबकि कटाई, बंडल बनाने और परिवहन का खर्च एफपीओ द्वारा वहन किया जाएगा।

कलेक्टर, एडीएम एवं सीईओ ने जनसुनवाई के दौरान अलग-अलग 40 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 40 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही मंदसौर जिले के बनी निवासी आवेदक लक्ष?मीनारायण ने मकान में आने जाने का रास?ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के डौराना निवासी लच?छीराम ने मकान का ड्रोन सर्वे करवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के दलौदा सगरा निवासी आवेदक परमानंद ने किसान कल्याण योजना की राशी दिलवाने के संबंध में आवेदन दिया।

जिस पर तहसीलदार दलौदा को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के पटेला निवासी आवेदक आशाराम ने कृषि भूमी का सिमांकन करवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें।

एक नजर | ग्रामीणों में जागरूकता लाने जुटे स्वयंसेवक

बरखेड़ा पंथ में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

पिपलियामण्डी। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पिपलियामंडी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में सात दिवसीय वार्षिक विशेष शिविर का शुभारंभ ग्राम बरखेड़ा पंथ, तहसील मल्हारगढ़ में हुआ। शिविर के पहले दिन महाविद्यालय के चयनित स्वयंसेवक गांव पहुंचकर विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दिनेशचंद्र बोरीवाल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करने का

महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से युवा समाज के बीच जाकर समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता फैलाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह सात दिवसीय विशेष शिविर 10 मार्च से 16 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता का विस्तार करना और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। शिविर के दौरान स्वयंसेवक 'मेरे भारत के लिए युवा' तथा 'डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' विषयों पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करेंगे। शिविर के अंतर्गत गांव में नशा मुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, डिजिटल साक्षरता अभियान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लाभ और हानियों पर जागरूकता कार्यक्रम तथा ग्रामोदय गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को आधुनिक तकनीक के उपयोग, स्वच्छ जीवनशैली अपनाने तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कन्हैया लाल लोहार के निर्देशन में किया जा रहा है। शिविर प्रभारी डॉ. अरुण नरगावे एवं सह प्रभारी प्रो. गोविंद तंवर स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करते हुए विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। शिविर के प्रथम दिन स्वयंसेवकों ने ग्राम का सर्वेक्षण कर स्थानीय समस्याओं की जानकारी जुटाई और ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया। आगामी दिनों में जनजागरूकता रैलियां, संगोष्ठियां और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राम के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास किए जाएंगे।

नीमच

एक नजर में

वार्ड क्रमांक-1 में पेयजल संकट, पाइपलाइन की मांग को लेकर रहवासी जनसुनवाई में पहुंचे

नीमच। शहर के वार्ड क्रमांक-1 के रहवासी लंबे समय से बनी पेयजल समस्या से परेशान होकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और क्षेत्र में जल्द से जल्द पेयजल पाइपलाइन बिछाने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। रहवासियों ने बताया कि उनके मोहल्ले में अब तक नगर पालिका द्वारा पेयजल पाइपलाइन नहीं डाली गई है, जिसके कारण लोगों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को रोजाना पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है, जबकि कुछ लोग मजबूरी में निजी ट्यूबवेल और पुराने कुओं के पानी पर निर्भर हैं। मोहल्लावासियों का कहना है कि ट्यूबवेल और कुओं का पानी भी कई बार साफ नहीं होता, जिससे लोगों को दूषित पानी पीना पड़ रहा है। इसके कारण क्षेत्र में बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ समय में दूषित पानी के कारण क्षेत्र के कुछ बच्चे गंभीर बीमारियों की चपेट में भी आ चुके हैं, जिससे पूरे मोहल्ले में चिंता का माहौल बना हुआ है। रहवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे पहले भी कई बार नगर पालिका और प्रशासन को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जनगणना संबंधी द्वितीय चरण का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच। भारत की जनगणना 2027 के सफल संचालन और पर्यवेक्षण के लिए जिले में द्वितीय चरण का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को पी.जी.कॉलेज नीमच के कम्प्यूटर लेब में आयोजित किया गया। अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश की उपस्थिति में सोमवार को आयोजित इस प्रशिक्षण में बताया गया, कि आगामी जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य एक से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। जनगणना 2027 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय और ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन्हें जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी, अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जनगणना लिपिक और चार्ज अधिकारी मौजूद थे। जनगणना के जिला प्रभारी श्री संदीप घोरे ने एमएमएस पोर्टल पर हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया। उन्होने जिला जनगणना हस्तपुस्तिका, ग्राम निर्देशिका/नगर निर्देशिका अनुसूची एवं प्रकिया प्रवाह का भी हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया और प्रगणकों एवं सुपरवाईजर की सूची को एक्सेल में अपलोड कर, नियुक्ति आदेश जारी करने के बारे में भी बताया।

किसान ने ज्ञापनों की माला पहनकर जनसुनवाई में लगाई न्याय की गुहार

▶ निजी जमीन तक रास्ता नहीं खुला

नीमच। अपनी समस्या के समाधान के लिए लंबे समय से अधिकारियों के चक्कर काट रहे एक किसान ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। कई आवेदन देने के बाद भी निराकरण नहीं होने से परेशान किसान गले में ज्ञापनों और दस्तावेजों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचा।

जानकारी के अनुसार ग्राम जीरन निवासी नरेंद्र कुमार पाटीदार गले में अपने द्वारा दिए गए आवेदनों और दस्तावेजों की माला पहनकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। किसान का कहना है कि वह लंबे समय से अपनी निजी खाता भूमि तक आने-जाने के लिए रास्ता खुलवाने की मांग कर रहा है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा आज तक समस्या का समाधान नहीं किया गया।

नरेंद्र पाटीदार ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में राजस्व विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया था। इस मामले में तहसील जीरन के प्रकरण क्रमांक 07/1 13/24-25 में 15 सितंबर 2024 को आदेश पारित किया गया था, जिसमें राजस्व निरीक्षक जीरन को रास्ता स्वतंत्र कराने के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद आज तक आदेश का पालन नहीं कराया गया है।

किसान का आरोप है कि शासकीय भूमि से होकर उसकी जमीन तक जाने वाला रास्ता कुछ लोगों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है। रास्ता बंद होने के कारण उसे अपनी ही जमीन तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खेत तक पहुंच नहीं होने से खेती-बाड़ी का काम भी प्रभावित हो रहा है।

कई बार आवेदन और शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं होने से परेशान किसान ने विरोध का यह अनोखा तरीका अपनाया। गले में आवेदनों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचने का उद्देश्य प्रशासन का ध्यान अपनी समस्या की ओर आकर्षित करना था। किसान नरेंद्र पाटीदार ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित राजस्व निरीक्षक को निर्देशित कर पूर्व में पारित आदेश का तत्काल पालन कराया जाए और उसकी निजी जमीन तक जाने का रास्ता जल्द से जल्द खुलवाया जाए, ताकि उसे राहत मिल सके।

हैंडपंप के पास अवैध निर्माण से पानी दूषित होने का खतरा

▶ 75 वर्षीय बुजुर्ग ने 108वीं बार प्रशासन से लगाई गुहार

नीमच। जिले के ग्राम दारू निवासी 75 वर्षीय जमनालाल पुरोहित ने प्रशासनिक उदासीनता से परेशान होकर अपनी पीड़ा उजागर की है। उनका आरोप है कि गांव में शासकीय हैंडपंप के पास अवैध रूप से लेट्रीन-बाथरूम का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पेयजल स्त्रोत के दूषित होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इस संबंध में वे कई बार प्रशासन को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जमनालाल पुरोहित ने बताया कि उनके घर के पास करीब 20 वर्ष पुराना शासकीय हैंडपंप लगा हुआ है, जिससे आसपास के कई परिवार पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी भरते हैं। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में यही हैंडपंप पूरे मोहल्ले के लोगों के लिए पानी का मुख्य सहारा बन जाता है। ऐसे में यदि इसके आसपास

शौचालय या बाथरूम का निर्माण होता है तो भूजल दूषित होने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के ही शंभूलाल पुरोहित द्वारा हैंडपंप के समीप अवैध रूप से लेट्रीन-बाथरूम का निर्माण कराया जा रहा है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो शंभूलाल, उसके पुत्र सूरज और भाई श्रवण द्वारा उन्हें धमकाने और मारपीट करने की कोशिश की गई, जिससे वे और उनका परिवार भयभीत हैं।

जमनालाल का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर अब तक जनसुनवाई में 108 बार आवेदन दे चुके हैं और कई बार कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हैंडपंप के पास हो रहे अवैध निर्माण को तुरंत रुकवाया जाए और उन्हें तथा उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि गांव के लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सके।

एक नजर | कलेक्टर ने की जनसुनवाई – 71 आवेदकों की सुनी समस्याएं

दुर्घटना पीड़ित राजू बंजारा को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 71 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए है। इस मोके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में भाटखेडी मनासा के दुर्घटना पीडित राजू पिता ओकार बंजारा ने नीमच के एक निजी

चिकित्सालय द्वारा आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं देते हुए उपचार के लिए 1.50 लाख की नगद राशि लेने संबंधी शिकायत पर कलेक्टर ने पीडित राजू को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने और निजी चिकित्सालय द्वारा ली गई उपचार राशि वापिस दिलाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच को दिए है।

कलेक्टर ने मनासा क्षेत्र के दांता निवासी गोपाल गरासिया के आवेदन पर उनकी पत्नि गुड्डीबाई की गंभीर बीमारी के उपचार में इस वर्ष की 5 लाख रूपये की आयुष्मान लिमिट पूरी हो जाने पर, रेडक्रास से उपचार सहायता स्वीकृत करने के निर्देश भी रेडक्रास प्रभारी को दिए है।

जनसुनवाई में लक्ष्मीपुरा की कंकुबाई, कनावटी के भागीरथ, सरवानिया महाराज के मोहम्मद आसीफ, नीमच के मांगीलाल, गिरदौरडा के किशनसिह, कनावटी की यशोदाबाई, हिंगोरिया की सायराबाई, खिमला के गोपाल बंजारा, जीरन के लालुराम, कंजार्डा की रेखा कुलमोदिया, पालसोड़ा के अमरदास बैरागी, गिरदौड़ा के किशनसिह, टीआईटी कॉलोनी नीमच की अनिता शिंदे, पिपल्या सिंघाडिया के भेरूलाल ने अपनी समस्याएं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

इसी तरह नयागांव के सत्तु धाकड़, साकरियाखेड़ी के बंशीलाल कनावटी की आशा राय, मनासा की भागवंतीबाई, जीरन के जितेन्द्र बैरागी, हामाखेडी के चंद्रप्रकाश, ग्वालदेविया की मंगलादेवी, कराडिया महाराज की मंजूबाई, मातारूंडी के करामात, बराडा की लक्ष्मीबाई, सोनडी के बाबुलाल, केलुखेड़ा के मांगीलाल, भाटखेड़ी की पूजाबाई, कुण्डला के राधेश्याम, नीलिया के कन्हैयालाल, अमावली जागीर के रमेशनाथ, इंदिरानगर नीमच की इन्दिराबाई, राजस्व कॉलोनी रतलाम के अमित सिह, इकलिंगपुरा के कमलसिह, बोरदिया कला के कालूसिह, ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए है।